विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

भारतीय संविधान में देश का नाम भारत हो।

देश के नाम की आवश्यकता:- यह एक निर्विवाद सत्य तथ्य है कि किसी देश का नाम उसके अतीत की पृष्ठभूमि पर ही नामांकित किया जाता है तथा जो उसकी संस्कृति, इतिहास, गौरवशाली परम्परा को प्रतिलक्षित करता है। भारत नाम निर्विवाद रूप से जैनो के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के यशस्वी पुत्र भरत के नाम से प्रचलित होकर संविधान लागू होने तक देश के प्रत्येक नागरिकों के हृदय में बसा हुआ है। भारत नाम की प्रमाणिकता ऋग्वेदकाल के चक्रवर्ती सम्राट भरत के समय की मिलती है। इसके अतिरिक्ति इसका उल्लेख पुराणभगवत (मत्स्य पुराण), वैदिक (ऋग्वेद), बौद्ध और जैन पुराणों एवं ग्रन्थ, महाभारत आदि में मिलता है जबकि कुछ लोग कहते हैं इण्डिया नाम की उत्पत्ति सिन्धु नदी के अंग्रेजी नाम इण्डस से हुई है। अंग्रेजों ने भारत को अंग्रेजी में 'इण्डिया' नाम दिया है जो 16वीं सदी की घटना है जब अंग्रेज भारत की सम्पत्ति को लूटने के उद्देश्य से आये थे। भारत में नाम के आधार पर ही व्यक्ति की जाति, उसका धर्म, उसका प्रदेश और खानपान के बारे में अंदाजा, आसानी से लगाया जा सकता है। देश का नाम भारत है, भारत नाम 'प्रोपर नाउन' है, इसका अनुवाद नहीं हो सकता। 'इण्डिया' नाम की न तो कोई सभ्यता है और न कोई गौरवशाली परम्परा और न अंग्रेजी भारत भूमि पर बोली जाने वाली भाषाओं में (बोलियों) ही है, जिनका उल्लेख संविधान की आठवीं अनुसूची में है। संविधान की उद्देशिका में 'हम लोगों' का उल्लेख है वे भारतीय हैं न कि 'इण्डियन'। यह देश का दुर्भाग्य था कि संविधान की मूल प्रति अंग्रेजी में है, और अनुवाद हिन्दी में जबकि संविधान के अनुच्छेद 343 में स्वयं विधाननिर्मात्री सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित किया। हिन्दी में अनुवादित संविधान में संविधान को भारत का संविधान नाम दिया है। अंग्रेजों द्वारा भारत को इण्डिया नाम दिया गया, इसका अपना ही इतिहास है। अंग्रेजी की ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने इण्डिया शब्द को यह कहकर परिभाषित किया है कि इण्डिया वह देश है जहां अशिक्षित लोग रहते हैं जो चोरी आदि घटनाओं में लीन रहते हैं।

देश का नाम भारत से हिन्दुस्तान और इण्डिया कैसे हुआ, इसका संक्षिप्त परिचय:- अंग्रेज भारत में व्यापारी के रूप में आये थे। लंदन के कुछ व्यापारियों द्वारा ईस्ट इण्डिया कम्पनी को दिनांक 31 दिसम्बर, 1960 को इग्लेण्ड की महारानी ने चार्टर प्रदान किया था। इस चार्टर के द्वारा कम्पनी को 15 वर्ष के लिये भारत व दक्षिणपूर्व एशिया के कुछ क्षेत्रों में व्यापार का एकाधिकार किया गया। उस समय इस देश का नाम भारत था।

इण्डिया का वास्तविक नाम भारत है, यह नाम भरत चक्रवर्ती जो जैनों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के यशस्वी पुत्र थे, उनके नाम पर रखा गया। इस प्रकार जैनों को देश का नाम भारत दिये जाने का श्रेय (गौरव) प्राप्त है। वस्तुत: भारत में सभ्यता (Civilisation) का प्रारम्भ भरत चक्रवर्ती के समय ही से माना जाता है।

इण्डिया का पुराना नाम भारत था। यह नाम कैसे पडा इसका भी एक इतिहास है। (Civilisation) का प्रारम्भ हुआ उस समय देश का संस्कृत नाम भारत था। इसका उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है। इण्डिया के भूगोल का इतिहास इंगित करता है कि यह भूमि सात नदियों की थी। ऋग्वेद की सातवीं पुस्तक के 18वें श्लोक में 10 राजाओं के युद्ध अर्थात् 'दशाराजना' का उल्लेख है। यह युद्ध उस समय की बलशाली 10 ट्राइब्स के मध्य हुआ था, जिन्होंने सम्राट सुदास जो भारत नामक ट्राइब्स का प्रतिनिधित्व करते थे जिसका संबंध Dynasty से था। यह युद्ध रावी नदी पर हुआ था जो पंजाब में है। सम्राट सुदास को इस युद्ध में बडी सफलता मिली। इसके फलस्वरूप भारत ट्राइब्स का नाम लोगों की जुबान आ गया और इस भूमि को भारत वर्ष नाम दिया जिसका अर्थ है भरत की भूमि।

महाभारत में इस देश के नाम का उल्लेख इस रूप में मिलता है कि देश भारत वर्ष के नाम से जाना जाता था, यह नाम महाराजा भरत चक्रवर्ती के नाम पर था। भरत, Dynasty के जन्मदाता थे।

विष्णु पुराण में इस भूमि को भारत वर्ष के नाम से सम्बोधित किया है, जबसे राजा ऋषभ ने इसे अपने पुत्र भरत को दिया था और वे स्वंय राज्य को त्याग कर मुनि हो गये थे। विष्णु पुराण में सम्बन्धित श्लोक इस प्रकार है :-

उत्तरंयतसमुद्रस्य, हिमाद्रेश्चैवदक्षिणं ।
वर्षतदभारतं, नामभारतीयत्रसंतति ।

सभ्यता के प्रारम्भ से अब तक देश व विदेशों में देश को निम्नलिखित नामों से जाना जाता था:-

भारता	Bharata
जम्बूद्वीप	
आर्यावर्त	Aryavarta
नाभिवर्षा	
तियान्जूह	
भारत / भारत खण्ड	
हिन्द / हिन्दुस्तान	
इण्डिया	
मेलुहा	
भारतवर्ष	
होडू	
अजानभवर्ष	
भारत / भारतवर्ष का नाम	

भारत नाम की उत्पत्ति का संबंध प्राचीन भारत के चक्रवर्ती राजा मनु के वंशज महाराजा जैनों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र भरत से है। पुराणभागवत, वैदिक, बौद्ध और जैन पुराणों एवं ग्रन्थों में तथा ऋषभदेव में इसका उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद का काल की सभ्यता 36000 वर्ष पुरानी है (पद 38)।

जम्बूद्वीप :- प्राचीन शास्त्र में भारत का नाम जम्बूद्वीप है। साउथ ईस्ट एशिया के देशों के इतिहास में भारत को जम्बूद्वीप कहा जाता था। यह नाम जैनों का दिया हुआ है, जिस धर्म का प्रवर्तक प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। भारत का यह नाम थाइलेण्ड, मलेशिया, जावा, बाली के देशों के इतिहास में मिलता है। इस क्षेत्र (द्वीप) में जम्बू के पेड थे, इसे जम्बूद्वीप नाम दिया गया।

संविधान के अनुच्छेद 1 के समय चर्चा में यह बात आई थी कि 'इण्डिया' शब्द के मूल में सिन्धु शब्द जो एक नदी का नाम है, छिपा हुआ है। प्राचीन परशिया तथा अरबी के अक्षर 'एस' को 'ह' से उच्चारित किया जाता था। ईसा से पूर्व तीसवीं शताब्दी में 'सिन्धु' को 'हिन्द' कहा जाता था और यह देश हिन्दुस्तान कहा गया। ग्रीक वाले सिन्धु को इण्डस कहते हैं और उसके जुडे देश को इण्डिया नाम दिया गया।

यहां लिखना समीचीन होगा कि पाश्चात्य देशों (इंग्लेण्ड) से जब इस देश को इण्डिया नाम दिया जब भी यह देश भारत ही कहा जाता था। संविधान के लिये इस देश को इण्डिया नाम दिया गया। अनुच्छेद 1 में कहा गया इण्डिया यानी 'भारत'। इण्डिया शब्द भारतीयों की भावना की अभिव्यक्ति नहीं कर सकता न भारतीय संस्कृति के गौरव, अतीत व इतिहास को ही दर्शाता है।

भारत: भारत नाम की उत्पत्ति का संबंध प्राचीन भारत के चक्रवर्ती राजा मनु के वंशज महाराजा जैनों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र भरत से है। पुराणभागवत, वैदिक, बौद्ध और जैन पुराणों एवं ग्रन्थों में तथा ऋषभदेव में इसका उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद का काल की सभ्यता 36000 वर्ष पुरानी है (पद 38)। खारवेल की हाथीगुफा के शिलालेख, महाभारत में भी इसका उल्लेख है। ऋषभदेव स्वयं भूमनु से पांचवी पीढी में इस क्रम में हुये स्वयं भूमनु, प्रियव्रत, अग्नीध्र, नाभि और ऋषभ। ऋषभ के पुत्र भरत थे। मत्स्य पुराण में उल्लेख है कि महायोगी भरत के नाम परदेश का नाम भारत हुआ।

इस संविधान के अनु. 1 के उपअनु. (1) में यह निर्धारित किया गया है कि इण्डिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ होगा। भारत के एक नागरिक ने सर्वोच्च न्यायालय में अनु. 32 के तहत् एक याचिका यूनियन ऑफ इण्डिया के विरूद्ध प्रस्तुत की है, उसका कथन है कि संविधान के अनु. 21 के तहत् नागरिक होने के नाते उसका यह मूल अधिकार है कि वह गर्व के साथ अपने देश का नाम भारत माने जबकि अनु. 1 के उपअनु. (1) में यह उल्लेख किया है कि देश का नाम इण्डिया यानी भारत होगा जो राज्यों का समूह होगा। याची ने अपनी याचिका में यह प्रार्थना की है कि विपक्षी के विरूद्ध यह आदेशात्मक आदेश पारित किया जावे वे यथोचित कदम उठाते हुए अनु. 1 में संशोधन करें कि देश का नाम इण्डिया यानी भारत के स्थान पर भारत वर्ष किया जावे।

याची का कथन है कि भारत को इण्डिया पुकारना उपनिवेशवाद को पुन: जिन्दा कर देश की गरिमा व गौरव को खण्डित किया गया है। देश का नाम इण्डिया भारत की सांस्कृतिक धरोहर की विशालता को छू भी नहीं सकता, जो भारत शब्द में स्वत: ही स्पष्ट प्रतिलक्षित होता है।

हिन्दी देश की राज भाषा है अत: अधिकांश देश के नागरिकों की भाषा थी इसलिये संविधान निर्मात्री सभा को भारत का संविधान हिन्दी में बनाना चाहिये था, किन्तु मुट्ठी भर अंग्रेजी के भक्तों के कारण संविधान की मूल प्रति अंग्रेजी में लिखी गई और बिना सोचे-समझें भारत के अंग्रेजी नाम से ही संविधान का शीर्षक Constitution of India रख दिया गया जबकि शीर्षक को भारत का संविधान दिया जाना अपेक्षित था। हिन्दी की मूल प्रति में इसे भारत का संविधान कहा है न कि इण्डिया का संविधान। अनुच्छेद 1 के उपचरण (1) में अंग्रेजी के मूल संविधान में लिखा है, India, that is Bharat shall be a Union of State और फिर हिन्दी में इसी को भारत यानी भारत राज्यों का संघ होगा, लिखा जाना चाहिये था न कि इण्डिया यानी भारत राज्यों का संघ। संविधान में भारत की कोई परिभाषा नहीं है, किन्तु अनुच्छेद 366 में India States की परिभाषा है, देशी राज्य से ऐसा राज्य क्षेत्र अभिप्रेत है जिसे ''भारत डोमिनियन की सरकार से ऐसे राज्य के रूप में मान्यता प्राप्त थी''। AGovernment of India Act 1935 को हिन्दी में भारत शासन एक्ट, 1935 कहा गया है। भारत व इण्डिया की परिभाषा के अभाव में अनुच्छेद 1 अस्पष्ट है और उपरोक्त कथनों के अनुसार संविधान का संशोधन आवश्यक है।

अत: न्यायहित में अनुच्छेद 1(1) को संविधान के संशोधन की प्रक्रिया के अनुसार संशोधित किया जाकर, इस प्रकार किया जावे कि अनुच्छेद 1(1) ''भारत राज्यों का संघ होगा Bharat shall be a Union of States~ संविधान में जो नाम संघ और उसके राज्य क्षेत्र का है वह केवल भारत हो। भारत के गौरवशाली अतीत और भारतीय संस्कृति की गरिमामयी परम्परा तथा समस्त भारतीयों की भावना की आनबान व शान को अक्षुण्ण रखते हुये संविधान में उपरोक्त संशोधन हेतु भारत सरकार उचित कदम उठाकर देश के लोगों को न्याय दिलायेगी। भारत गणतंत्र की अखण्डता, एकता और समरसता के हेतु तथा भारत माँ के सम्मान के हेतु भारत सरकार की माँ भारतीयों के प्रति एतिहासिक पूजा, आराधना व अर्चना होगी।

जय भारत!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट

सांभर में संचालित इंदिरा रसोई में स्वच्छ जल से नहीं बन रहा खाना

सांभरझील, (निसं)। यहां तेली दरवाजा रोड स्थित नेहरू गार्डन में संचालित इंदिरा रसोई में खाना स्वच्छ पानी से तैयार नहीं होने का मामला प्रकाश में आया है।

जानकारी के अनुसार नेहरू गार्डन में भूमिगत टैंक में स्टोरेज पानी से आटा गूंदने से लेकर सब्जी बनाने तक इसे काम में लिया जाता है जबकि उद्यान में बने भूमिगत टैंक की लंबे समय से कोई साफ सफाई नहीं हुई है। टैंक के अंदर काफी कचरा आदि पड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि यहां तक की छत पर रखी प्लास्टिक की टंकी की भी आज तक कोई साफ सफाई नहीं हुई है और अंदर से काफी गंदी हो गई है। बता दें कि इंदिरा रसोई के पीछे ही खुला पेशाब घर भी बना हुआ है जो सडांध मार रहा है। लंबे समय से न तो यहां पर दवा का छिड़काव हुआ है और ना ही शौचालय की साफ सफाई हुई है।

- **भूमिगत बने टैंक के पानी को खाना बनाने के लिए उपयोग में लिया जाता है**
- **भूमिगत टैंक की लंबे समय से कोई साफ-सफाई नहीं हुई है**

जबकि यहां पर काफी लोग उद्यान में खाना खाने आते हैं। इस मामले में इंदिरा रसोई की संचालिका प्रियंका से बात हुई तो उन्होंने बताया कि हमने टंकी की सफाई के लिए पालिका प्रशासन को बोला था उन्होंने इसे साफ करवाने का आश्वासन दिया हुआ है। अब आपने बताया है तो फिर से पालिका प्रशासन को टंकी की साफ सफाई के लिए लिखा जाएगा।

सांभरझील में तेली दरवाजा रोड स्थित नेहरू गार्डन में संचालित इंदिरा रसोई।

जुर्माना नहीं देने पर दलित समाज की जमीन पर चलाया बुलडोज़र

भीम, (निसं)। उपखण्ड के पीपलीनगर पंचायत क्षेत्र में खाप पंचों की दादागिरी और तुगलकी फरमान सुनाने का मामला सामने आया था। खाप पंचों की जान से मारने की धमकी के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस और अधिकारियों से जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाई। पीपली नगर पंचायत के तिकोड़िया गांव निवासी नारायण लाल सालवी ने देवगढ़ थाने में गांव के पंच डूंगर सिंह रावत भादू सिंह, खीम सिंह, लक्ष्मण सिंह चैन सिंह सहित 12 लोगों के खिलाफ एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज हुआ है।

नारायण लाल ने बताया कि तिकोड़िया गांव में उसकी जमीन पर मकान बना हुआ है और मकान बनाने के लिए गांव के वार्ड पंच डूंगर सिंह ने उससे 25 हजार रुपये भी लिए थे। अब डूंगर सिंह ने जमीन पर रहने के लिए उससे और पैसे मांग रहा था। उसने पैसे नहीं दिया तो 2 मार्च को डूंगर सिंह और भादू सिंह लक्ष्मण सिंह नारायण सिंह समेत अन्य लोगों ने उसे

- **समाज से बहिष्कृत करने की धमकी देकर अवैध वसूली करने वाले 12 पंचों के खिलाफ मुकदमा दर्ज**

घर पर आकर धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। 3 मार्च को गांव के पंच डूंगर सिंह रावत, बहादुर सिंह, खेम सिंह, लक्ष्मण सिंह, चैन सिंह सहित 10 से 15 लोग यहां आए और जेसीबी मशीन से मकान के पास खाई करवा दी।

मेरे घर के अंदर मार्किंग करके गए कि अगर कल तक इस मकान को तूने खाली नहीं किया तो हम इस मकान के बीचोंबीच जेसीबी लगाकर इस मकान को तोड़ेंगे। गांव के पंच लोगों पर मनमाना जुर्माना लगाकर उसे पैसे वसूलते हैं पैसा नहीं देने पर लोगों को गांव से बहिष्कृत कर दिया जाता है और उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। पीड़ित परिवार ने देवगढ़ थाने में रिपोर्ट दी लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। पीड़ित परिवार ने जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी को अपनी पीड़ा बताई जिस पर पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने तुरंत प्रभाव से देवगढ़ थाना प्रभारी को मामला दर्ज करने का आदेश दिया, जिस पर देवगढ़ थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने मामला दर्ज किया। मामले की जांच पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र सिंह राठौड़ के जिम्मे की गई।

बेमौसम की बरसात ने किसानों को मायूस किया

फुलेरा, (निसं)। एक बार पुन: पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिला है। साथ ही फुलेरा कस्बे में बे-मौसम की बरसात ने किसानों को मायूस कर उनकी चिंता को दो गुना कर दिया है।

गौरतलब है कि गुरुवार को प्रात: सूर्योदय से ही बादलों की लुकाछिपी आरंभ हो गई थी, जो दोपहर होते-होते तो पूरा आकाश काले बादलों से घिर गया और तेज हवाओं के झोकों के साथ शाम होते-होते तेज बारिश शुरू हो गई। इसके बाद ठंडी हवाओं के चलते तापमान में एकदम 5 से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

वैसे ही पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में मौसम परिवर्तन के चलते और

- **एक बार पुन: पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिला**
- **ठंडी हवाओं के चलते तापमान में एकदम 5 से 6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई**

वायरल बुखार, खांसी, जुकाम से आम आदमी ग्रसित है। वर्षा से मौसम और ठण्डा होने से इन दिनों लोगों की संख्या में और इजाफा होगा। वहीं दूसरी ओर खेतों में लावणी चल रही है और फसल काटने का कार्य जोरों से चल रहा है।

इसके चलते कहीं पर तो फसल खतों में कटी पड़ी है तो कहीं खेतों में खड़ी हुई है। बारिश के होने से फसल को भारी नुकसान होने की प्रबल संभावना बन गई है। इसके चलते किसानों के चेहरे पर मायूसी छाई हुई है। फसल को खराब होने से बचाने की जुगत करने में किसान का पूरा परिवार लग रहा है। जानकारी के अनुसार यदि लगातार तीन-चार दिन यही हालात रहे तो किसान को फसल का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

'शादी में दूल्हे दाढ़ी नहीं रखेंगे'

खांडल विप्र समाज की बैठक में सामाजिक कुरूतियों पर चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया गया

परबतसर, (निसं)। खांडल विप्र समाज, परबतसर की साधारण सभा की बैठक खांडल भवन में आयोजित की गई। जिसमें वर्तमान में समाज में चल रही कुरीतियों पर चर्चा कर शादी के समय दूल्हा दाढ़ी में जाता है तथा कन्या के विवाह में आने वाला दूल्हा दाढ़ी में आता है। इस पर चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कोई भी दूल्हा दाढ़ी रख कर ना जाएगा ना ही दाढ़ी रखकर आएगा, युवा वर्ग ने भी इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति जाहिर की। ब्राह्मण समाज के सभी घटकों ने इस प्रस्ताव का मौखिक स्वागत व समर्थन किया। साथ की विवाह समारोह में प्रीवेडिंग का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा। इस बैठक में उपस्थित रहे शाखा सभा अध्यक्ष रमेश रुथला, सचिव बनवारी लाल सोती (एडवोकेट), कोषाध्यक्ष मदन लाल मंगलयारा, श्याम सुंदर रूथला, पूर्व शाखा सभा अध्यक्ष राजनारायण बणसिया, गजानन रुथला, पूर्व सचिव रमेश खंडेलवाल, महासभा कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र खंडेलवाल, कैलाश बौचीवाल तथा जयनारायण रुथला, मदनलाल रिणवा इंदरचंद रुथला, दिनेश चोटिया, भवानी शंकर, श्रीगोपाल रुथला, शैलेश, चेतन, भीष्मनारायण, विशाल शर्मा, युवा संगठन अध्यक्ष धर्मपाल चौटिया, आशीष रुथला, शैलेश रूंथला, विकास आदि उपस्थित रहे।

करौली में अतिक्रमियों के सामने बौना साबित हुआ प्रशासन

करौली, (निसं)। कैलादेवी के लक्खी मेले के पद यात्रियों की आवक शुरू हो चुकी है और मेला का शुभारंभ होने के मात्र 2 दिन शेष हैं लेकिन प्रशासन अभी तक पद यात्रियों की राह प्रभावशाली अतिक्रमणीयों के हो रहे शहर के बीचोबीच एनएच 11बी पर अतिक्रमण को हटाने की सुध नहीं ले पा रहा है और यात्रियों सहित आम राहगीर को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले के प्रमुख तीर्थ स्थल कैलादेवी धाम में कैलादेवी का 19 मार्च से चैत्र मेला शुरू होने जा रहा है जिसकी तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन सहित जिले के सभी विभागों के अधिकारियों की मेले में आने वाले पदयात्री, श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाएं और प्रमुख मार्ग में हो रहे अतिक्रमण को हटा कर राह आसान कराने के लिए कैलादेवी सहित जिला मुख्यालय पर बैठके हो चुकी है और

- **शहर के एनएच 11बी पर अतिक्रमण को हटाने की सुध नहीं ले प्रशासन**

बैठकों में जिला कलेक्टर ने यात्रियों की सुविधा मुहैया कराने के लिए बिजली, पानी और फुटपाथ आदि की सुविधा मुहिया कराने के लिए निर्देश दिए गए लेकिन मेला सिर पर आने के उपरांत भी अभी तक जिला मुख्यालय स्थित शहर के बीचो बीच होकर निकल रहे मासलपुर नाका चुंगी से लेकर तीन बड, मैंगजीन तक एनएच 11बी के सड़क किनारे फुटपाथ पर अतिक्रमण करने की लोगों में होड़ मच रही है। यही नहीं पूर्व से मासलपुर नाका चुंगी से लेकर गुलाब बाग, पुरानी कलेक्ट्री सर्किल होते हुए तीन बड, मैगजीन तक प्रभावशाली लोगों ने फुटपाथ पर बड़े-बड़े प्रतिष्ठान खोलकर आम राहगीर की राह बड़ी दुर्गम कर रखी है। जो प्रशासन के अधिकारियों से छिपी नहीं है। लेकिन प्रशासन उन प्रभावशाली अतिक्रमणीयो के सामने उनके अतिक्रमण हटाने के नाम पर बोना साबित हो रहा है। इसके अलावा कैलादेवी तक के सड़क मार्ग के फुटपाथ पर भी बेतहाशा लोगों ने अतिक्रमण कर रखे हैं जिनको भी प्रशासन नहीं हटा पाया है और पद यात्रियों की आवक शुरू हो चुकी है।

राशिफल शुक्रवार 17 मार्च, 2023

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 2:46 तक, वारियान योग प्रात: 6:59 तक, विष्टि करण दिन 2:07 तक, चन्द्रमा दिन 10:19 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 2:46 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 2:46 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 2:07 तक रहेगी। आज दशामाता व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:08 तक, लाभ-अमृत 8:08 से 11:06 तक, शुभ 12:35 से 2:04 तक, चर 5:03 से सूर्योदय तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:39, सूर्यास्त 6:32

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन मतभेद बढ़ सकते हैं। परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। स्वभाव की तेजी के कारण परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कर्क
स्वास्थ्य संबंधित व्यक्तिगत चिन्ता दूर होगी। घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।